4ono.com

Perfect solution to all problems

Tips, Tricks, General Knowledge, Current Affairs, Latest Sample, Previous Year, Practice Papers with solutions.

CBSE 10th Hindi 2014 Unsolved Paper
All India

Buy solution: *http://www.4ono.com/cbse-10th-hindi-solved-previous-year-papers/*

Note

This pdf file is downloaded from www.4ono.com. Editing the content or publicizing this on any blog or website without the written permission of Rewire Media is punishable, the suffering will be decided under DMCA

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

CBSE 10th Hindi 2014 Unsolved Paper All India

TIME - 3HR. | QUESTIONS - 16

THE MARKS ARE MENTIONED ON EACH QUESTION

(i) इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
(ii) चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
(iii) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

SECTION – A

प्रश्न-1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

संसार के सभी देशों में शिक्षित व्यक्ति की सबसे पहली पहचान यह होती है कि वह अपनी मातृभाषा में दक्षता से काम कर सकता है। केवल भारत ही एक देश है जिसमें शिक्षित व्यक्ति वह समझा जाता है जो अपनी मातृभाषा में दक्ष हो या नहीं, किंतु अंग्रेज़ी में जिसकी दक्षता असंदिग्ध हो। संसार के अन्य देशों में सुसंस्कृत व्यक्ति वह समझा जाता है जिसके घर में अपनी भाषा की पुस्तकों का संग्रह हो और जिसे बराबर यह पता रहे कि उसकी भाषा के अच्छे लेखक और कवि कौन हैं तथा समय-समय पर उनकी कौन-सी कृतियाँ प्रकाशित हो रही हैं। भारत में स्थिति दूसरी है। यहाँ प्राय: घर में साज-सज्जा के आधुनिक उपकरण तो होते हैं किन्तु अपनी भाषा की कोई पुस्तक या पत्रिका दिखाई नहीं पड़ती। यह दुरवस्था भले ही किसी ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, किंतु वह सुदशा नहीं, दुरवस्था ही है और जब तक यह दुरवस्था कायम है, हमें अपने-आप को, सही अर्थों में शिक्षित और सुसंस्कृत मानने का ठीक-ठीक न्यायसंगत अधिकार नहीं है।

इस दुरवस्था का एक भयानक दुष्परिणाम यह है कि भारतीय भाषाओं के समकालीन साहित्य पर उन लोगों की दृष्टि नहीं पड़ती जो विश्वविद्यालयों के प्राय: सर्वोत्तम छात्र थे और अब शासन-तंत्र में ऊँचे ओहदों पर काम कर रहे हैं। इस दृष्टि से भारतीय भाषाओं के लेखक केवल यूरोपीय और अमेरिकी लेखकों से ही हीन नहीं है, बल्कि उनकी किस्मत मिस्र, बर्मा, इंडोनेशिया, चीन और जापान के लेखकों की किस्मत से भी ख़राब है क्योंकि इन सभी देशों के लेखकों की कृतियाँ वहाँ के अत्यन्त सुशिक्षित लोग भी पढ़ते हैं। केवल हम ही हैं जिनकी पुस्तकों पर यहाँ के तथाकथित शिक्षित समुदाय की दृष्टि प्राय: नहीं पड़ती। हमारा तथाकथित उच्च शिक्षित समुदाय जो कुछ पढ़ना चाहता है, उसे अंग्रेज़ी में ही पढ़ लेता है, यहाँ तक कि उसकी कविता और उपन्यास पढ़ने की तृष्णा भी अंग्रेज़ी की कविता और उपन्यास पढ़कर ही समाप्त हो जाती है और उसे यह जानने की इच्छा ही नहीं होती कि शरीर से वह जिस समाज का सदस्य है उसके मनोभाव उपन्यास और काव्य में किस अदा से व्यक्त हो रहे हैं।

(i) भारत में शिक्षित व्यक्ति की क्या पहचान है?

(ii) भारत तथा अन्य देशों के सुशिक्षित व्यक्ति में मूल अन्तर क्या है?

(iii) 'यह दुरवस्था ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है' कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है?

(iv) भारतीय भाषाओं के साहित्य के प्रति समाज के किस वर्ग में अरुचि की भावना है?

(v) भारतीय शिक्षित समुदाय प्राय: किस भाषा का साहित्य पढ़ना पसंद करता है? उनके लिए'तथाकथित' विशेषण का प्रयोग क्यों किया गया है?

(vi) इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

Download More @ www.4ono.com

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

(vii) निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी बताइए –

संसार, दक्षता

(viii) 'उच्चवर्गीय' तथा 'शिक्षित' शब्दों के प्रत्यय अलग कीजिए। (1)

(ix) निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी बताइए – (1)

आधुनिक, अच्छे

प्रश्न-2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

मन-दीपक निष्कम्प जलो रे!!
सागर की उत्ताल तरंगे,
आसमान को छू-छू जाएँ
डोल उठे डगमग भूमंडल
अग्निमुखी ज्वाला बरसाए
धूमकेतु बिजली की द्युति से,
धरती का अन्तर हिल जाए
फिर भी तुम ज़हरीले फन को
कालजयी बन उसे दलो रे।
क़दम-क़दम पर पत्थर, काँटे
पैरों को छलनी कर जाएँ
श्रान्त-क्लान्त करने को आतुर
क्षण-क्षण में जग की बाधाएँ
मरण-गीत आकर गा जाएँ
दिवस-रात आपत-विपदाएँ।
फिर भी तुम हिमपात-तपन में
बिना आह चुपचाप चलो रे।
कालकूट जितना हो पी लो।
दर्द, दंश दाहों को जी लो
जीवन की जर्जर चादर को
अटल नेह साहस से सी लो
आज रात है तो कल निश्चय
अरुण हँसेगा, ख़ुशियाँ ले लो
आकुल पाषाणी अन्तर से
निर्झर-सा अविराम ढलो रे!
जन-हिताय दिन-रात गलो रे!

अथवा

माटी, तुझे प्रणाम!
मेरे पुण्यदेश की माटी, तू कितनी अभिराम!
तुझे लगा माथे से सारे कष्ट हो गए दूर,
क्षण-भर में ही भूल गया मैं शत्रु-यंत्रणा क्रूर,
सुख-स्फूर्ति का इस काया में हुआ पुन: संचार-
लगता जैसे आज युगों के बाद मिला विश्राम!
माटी तुझे प्रणाम!

Download More @ www.4ono.com

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

तुझसे बिछुड़ मिला प्राणों को कभी न पल-भर चैन,
तेरे दर्शन हेतु रात-दिन तरस रहे थे नैन,
धन्य हुआ तेरे चरणों मे आकर यह अस्तित्व-
हुई साधना सफल, भक्त को प्राप्त हो गए राम!
माटी, तुझे प्रणाम!

अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढ़ कर आज,
कारा-जड़ जीवन सचेत फिर, तुझ को छू कर आज,
मरणशील हम, किन्तु अमर तू, है अमर्त्य यह धाम-
हम मर-मर कर अमर करेंगे तेरा उज्जवल नाम!

(i) कवि किसे प्रणाम कर रहा है? उसे 'पुण्य देश की' क्यों कहा है?

(ii) मातृभूमि को प्रणाम करने के बाद कैसी अनुभूति होती है?

(iii) माटी से बिछुड़ने तथा मिलने पर कवि को कैसा अनुभव हुआ?

(iv) अमर मृत्तिके! लगती तू पारस से बढ़ कर आज, - इस पंक्ति में किस भाव को व्यक्त किया गया है?

प्रश्न-3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए –

(क) कल्पना कीजिए आप पराधीन भारत के उस समय के नवयुवक हैं जब शासक-वर्ग द्वारा देश की स्वतंत्रता के लिए आंदोलनकारी नवयुवकों पर तरह-तरह के अत्याचार ढाए जा रहे थे। अपने काल्पनिक अनुभवों का उल्लेख करते हुए बताइए कि ऐसी स्थिति में देश की आज़ादी के लिए आपकी भूमिका क्या होती?

(ख) आपने बहुत सी पुस्तकें पढ़ी हैं। उनमें किसने सर्वाधिक प्रभावित किया? वह पुस्तक गद्य में थी या पद्य में? उसकी विषय-वस्तु समाज, राजनीति या धर्म में से किससे सम्बन्धित थी? उस पुस्तक की कौन-सी बात आपको रुचिकर लगी? अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए?

(ग) आपके नगर/कॉलोनी के निकट हुई एक बस-दुर्घटना में बहुत से यात्री हताहत एवं घायल हो गए। नगरवासियों ने किन-किन रुपों में राहत-कार्य में सहयोग दिया? उसमें आपकी क्या भूमिका रही?

प्रश्न-4. आप विद्यालय की 'साहित्य-परिषद्' के सचिव की हैसियत से अपने विद्यालय में एक अन्तर्विद्यालय युवा कवि-सम्मेलन कराना चाहते हैं। इस आयोजन के लिए आपको विद्यालय की ओर से क्या-क्या सुविधाएँ चाहिएँ, उनका उल्लेख करते हुए अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।

अथवा

अंतर्विद्यालय वाद-विवाद-प्रतियोगिता में आपने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया है। अपनी इस उल्लेखनीय उपलब्धि का समस्त विवरण अपने मित्र को लिखे पत्र में प्रस्तुत कीजिए।

SECTION – B

प्रश्न-5. (क) क्रियापद छाँटकर उनके भेद भी लिखिए – (2)

(i) घड़े में पानी भर गया।

(ii) आप कल तक अवश्य आ जाइए।

(ख) दो अव्यय पद पहचान कर उनके भेद भी लिखिए – (2)

(i) कड़ी सर्दी में भीतर ही रहो।

(ii) संदीप स्वस्थ है इसलिए विद्यालय गया है।

Download More @ www.4ono.com

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

प्रश्न-6. रेखांकित पदों का परिचय दीजिए –

आनंदन बहुत भाग्यशाली है।

प्रश्न-7. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए –

(i) यह विद्वान है। तुम नितांत मूर्ख हो। (संयुक्त वाक्य में)
(ii) वह उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए विदेश गया। (मिश्र वाक्य में)
(iii) भगत सिंह, जो एक क्रान्तिकारी देशभक्त था, स्वतंत्रता की वेदी पर बलि हो गया। (सरल वाक्य में)

प्रश्न-8. निर्देशानुसार वाच्य बदलिए –

(i) वह सच बोले बिना नहीं रह सकता। (भाववाच्य में)
(ii) इस युद्ध ने अनेक बच्चों को अनाथ कर दिया। (कर्मवाच्य में)
(iii) यह सुंदर रचना इस तुलसी द्वारा रची गई है। (कर्तृवाच्य में)

SECTION – C

प्रश्न-9. निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकारों का नामोल्लेख कीजिए –

(i) कनक-कनक ते सौ गुनी मादकता अधिकाय।
(ii) दुख हैं जीवनतरु के फूल।
(iii) सूर समर करनी करहिं।

प्रश्न-10. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

(क) डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के,

सुमन झिंगूला सोहै तन छबि भारी दै।

पवन झूलावै, केकी-कीर बतरावै 'देव',

कोकिल हलावै-हुलसावै कर तारी दै।।

पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन,

कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै।

मदन महीप जू को बालक बंसत ताहि,

प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।।

(i) प्रस्तुत पद में बसंत को किसका राजकुमार कहा है और क्यों?

(ii) राई नोन उतारने का क्या आशय है? राजकुमार का राई नोन कौन, कैसे उतारता है?

(iii) बालक बसंत को झूले में झुलाने और बाल-क्रीड़ाए कराने का काम कैसे संपन्न होता है?

Download More @ www.4ono.com

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

अथवा

(ख) कितना प्रामाणिक था उसका दुख

लड़की को दान में देते वक्त
जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो

लड़की अभी सयानी नहीं थी

अभी इतनी भोली-भाली सरल थी।

कि उसे सुख का आभास तो होता था

लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था।

पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की

कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की

(i) माँ का कौन-सा दुख प्रामाणिक था? कैसे?

(ii) बेटी को अंतिम पूँजी क्यों कहा गया है?

(iii) 'पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की' कथन से कवि क्या बताना चाहता है?

प्रश्न-11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए –

(क) परशुराम के क्रोध करने पर राम और लक्ष्मण की जो प्रतिक्रिया हुई, उसके आधार पर उनकी स्वभावगत विशेषताओं को लिखिए।

(ख) 'आत्मकथ्य' कविता के माध्यम से प्रसाद जी के व्यक्तित्व की जो झलक मिलती है, वह उनकी ईमानदारी और साहस का प्रमाण है, स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'फसल' कविता में फ़सल उपजाने के लिए जिन आवश्यक तत्वों की बात कही गई है, क्या ये तत्त्व एक दूसरे पर आधारित होकर ही फसल की उपज में सहायक होते हैं, समझाकर लिखिए।

(घ) 'छाया मत छूना' कविता में व्यक्त दुख के कारणों का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न-12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी

अपरस रहत सनेह तगा तैं, नाहिन मन अनुरागी।

पुरइनि पात रहत जल भीतर, ता रस देह न दागी।

ज्यौं जल माँह तेल की गागरि, बूँद न ताकौं लागी।

प्रीति-नदी मैं पाउँ न बोर्यो, दृष्टि न रुप परागी।

(i) यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?

(ii) अनुप्रास अलंकार का एक उदाहरण चुनकर लिखिए।

(iii) ज्यौं जल माँह तेल की गागरि.....' का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए।

(iv) अंतिम पंक्ति में कौन सा अलंकार है?
(v) गोपियाँ उद्धव को 'बड़भागी' क्यों कह रही हैं?

Download More @ www.4ono.com

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

अथवा

विकल विकल, उन्मन थे उन्मन

विश्व के निदाघ के सकल जन,

आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन!

तप्त धरा, जल से फिर

शीतल कर दो-

बादल, गरजो!

(i) बादल कवि के किस भाव का प्रतीक है?

(ii) बादलों को 'अनंत के घन' क्यों कहा गया है?

(iii) पद्यांश की भाषा की कोई एक विशेषता बताइए।

(iv) यह कविता किस युग की रचना है?

(v) काव्यांश के अंत में परस्पर विलोम शब्दों के प्रयोग से कविता में क्या विशेषता आ गई

प्रश्न-13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

फ़ादर को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था। जिसकी रगों में दूसरों के लिए मिठास भरे अमृत के अतिरिक्त और कुछ नहीं था उसके लिए इस ज़हर का विधान क्यों हो? यह सवाल किस ईश्वर से पूछें? प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था, वह देह की इस यातना की परीक्षा उम्र की आख़िरी देहरी पर क्यों दे?

(i) लेखक ऐसा क्यों कहता है कि फ़ादर को ज़हरबाद से नहीं मरना चाहिए था?

(ii) 'प्रभु की आस्था ही जिसका अस्तित्व था' वाक्य से फ़ादर के व्यक्तित्व की किस विशेषता का परिचय प्राप्त होता है?

(iii) 'उम्र की आख़िरी देहरी' कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है?

अथवा

अपने ऊहापोहों से बचने के लिए हम स्वयं किसी शरण, किसी गुफा को खोजते हैं जहाँ अपनी दुश्चिन्ताओं, दुर्बलताओं को छोड़ सकें और वहाँ से फिर अपने लिए एक नया तिल्सिम गढ़ सकें। हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है। अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ यही सोचते आए हैं कि सातों सुरों को बरतने की तमीज़ उन्हें सलीक़े से अभी तक क्यों नहीं आई।

(i) 'ऊहापोह' शब्द का क्या अभिप्राय है? इन्सान ऊहापोहों से बचने के लिए क्या-क्या करता है?

(ii) 'हिरन किस वरदान की तलाश में जंगल में मारा-मारा फिरता है? अंत में क्या वह उसको प्राप्त कर पाता है?

(iii) इस गद्यांश के अंतिम वाक्य के आधार पर बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की विशेषता स्पष्ट कीजिए।

Download More @ www.4ono.com

4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com 4ono.com

SECTION – D

प्रश्न-14. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए –

(क) स्त्री-शिक्षा के विरोधी तर्कों का खंडन करते हुए द्विवेदी जी ने उसके समर्थन में क्या-क्या बातें कहीं? किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'संस्कृति' पाठ के लेखक ने किन उदाहरणों के आधार पर 'संस्कृति' और 'सभ्यता' के स्वरुप को स्पष्ट किया है? किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए।

(ग) 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका के व्यक्तित्व को बनाने में किन-किन व्यक्तियों का योगदान किस रुप में रहा?

(घ) 'लखनवी अंदाज़' पाठ में खीरा खाने की तैयारी करने का एक चित्र प्रस्तुत किया गया है। किसी प्रिय खाद्य पदार्थ का रसास्वादन करने के लिए आप जो तैयारी करते हैं, उसका चित्र अपने शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

प्रश्न-15. (क) 'बालगोबिन भगत' पाठ में चित्रित भगत गृहस्थ होकर भी हर दृष्टि से साधु थे। क्या साधु की पहचान माला, तिलक तथा गेरुए वस्त्रों से होती है या उसके आचार-विचार से? इस विषय में अपने विचार प्रस्तुत कीजिए। (3)

(ख) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर बताइए कि किसी नगर के चौराहे पर प्रसिद्ध व्यक्ति की मूर्ति लगाने के क्या उद्देश्य होते हैं?

प्रश्न-16. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर दीजिए –

(क) 'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा' पाठ के आधार पर बताइए कि कठोर हृदया समझी जाने वाली दुलारी टुन्नू की मृत्यु पर विचलित क्यों हो उठी?

(ख) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ को आधार बनाकर लिखिए-लेखक ने अपने-आप को हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया।

(ग) 'माता का अँचल' पाठ में चित्रित ग्राम्य संस्कृति से आज की ग्रामीण संस्कृति की क्या भिन्नता है?

(घ) 'साना साना हाथ जोड़ि....' पाठ को दृष्टि में रखकर बताइए कि प्रकृति ने जल संचय की व्यवस्था किस प्रकार की है?

Buy solution: *http://www.4ono.com/cbse-10th-hindi-solved-previous-year-papers/*

Download More @ www.4ono.com